राह में जीवन

बापू जी के सुविचार और पंचांग



श्री मोतीलाल बापू

Website : www.motilalbapu.com
Mo. : 98251 90971

माता पिता की कृपा



हुंदलदास ए. तुलसीयानी
(स्व. दि. 10-12-2010)

राधादेवी एच. तुलसीयानी
(स्व. दि. ०9-09-2006)



माता पिता आप महान हो,
हमारे कुटुंब परीवार की शान हो,
आज भी आप हमारे साथ नहीं हैं
आखों से दुर भी नहीं हो
आपका आशीर्वाद हर दम हमारे साथ है
हर मंजील आसान है हमारे शुभ काम हो
आपका हमेंशा नाम हो

श्री मोतीलाल बापू
Website : www.motilalbapu.com
Mo. : 98251 90971

मोतीलाल एच. तुलसीया
दिनेश एम. तुलसीयानी
राम एम. तुलसीयानी
तुलसीयानी परिवार

RAH MEIN JEEVAN

(Thoughts and Almanac)

- **Motilal Bapu**

Frist Edition : **April 2011**

Price : **45/-**

Published by :

Motilal H. Tulsiyani
21, Sargam Park, Parshavnath Road,
Krishna Nagar,
Ahmedabad-382346
Mob. : 9825190971

Printed at :

Jaydeep Offset Printers
Bachubhai Estate,
Naroda Road, Memco,
Ahmedabad-380025.

राह में जीवन

बापू जी के सुविचार और पंचांग

इस पुस्तक में छोटे-छोटे सुविचार लिखें है। लोगों के दिल में इस विचारों से थोड़ा बहुत लाभ मिले क्यों कि ईन्सान में शब्द और समझ का संघर्ष है, उसे सही मार्ग नहीं मिलता, क्या सच है क्या झूठ है जीवन में कैसे चलना है। जिसे जो अच्छा लगता है उसे सही मानता है, जो सही नहीं लगता उसे झूठ मानता है, लेकिन समझ अनुभव से आती है। जब उसका अनुभव होता है तब उसे सही मानता है। इस पुस्तक में भी कुछ एसी बातें लिखी है जो आप तक पहुचाने की एक कोशिश करते हैं।

मोतीलाल बापू

21, सरगम पार्क ,

पार्श्वनाथ रोड, कृष्ण नगर,

अहमदाबाद-382346

मो. 9825190971

राह में जीवन

हर एक राह में हैं, लेकिन जीने का सही मार्ग मालुम नहीं है, ईसलिये एक दूसरे को परेशान करते एक दूसरे की नकल करते चल रह है। लेकिन संत वाणी हमें सही मार्ग सिखाते हैं फिर भी ध्यान नहीं है। संसार में चोरासी लाख जीवों का चक्र है उस में ईन्सान ही महान है। लेकिन ईन्सान को समझ है उसे सीखना और समझना है जानवर को जो मिलता है वह खातें हैं, ईन्सान अपना उधम करते पाता है उसे ही खाता है। हर ईन्सान को त्याग करना है त्याग से भाग्य उध्य होता है, भाग्य से जीवन चलता है। भगवान ने हर ईन्सान को ईश्वर शक्ति का भंडार दिया है भगवान निराकार है। उसका आईना ईन्सान है। हर एक ईन्सान में त्याग करने की पाँच शक्तियाँ है। उन शक्तियों से ईन्सान ईश्वर स्वरूप बन जाता है। पहले तन से किसी का काम करो जैसे अँधे को राह दिखाना संत्संग

में हाथ बढ़ाकर हाथ जोड़कर बिठाना, सफाई करना पानी पिलाना एसे व्यक्ति को लोग कहते हैं यह तो भगवान स्वरूप है। दूसरा मन का त्याग सब से मन मिलाकर चलना अच्छे वचन सुनाना किसी को मन से परेशान न करना आदि। तीसरी धन की सेवा- दान करो उसका ध्यान न करो धन देकर किसी क उधार करो धन का सही उपयोग करो। धन होता है व्यवहार चलाने के लिये, अच्छा व्यवहार करो। चौथा आता है दिमाग से किसीको अच्छी सलाह देना, सलाह के साथ सहमती भी देना। किसी का आधार और उध्धार करना। कहे यह तो भगवान स्वरूप है। पाँचवा हर ईन्सान को दो किड़नी, दो आँखे होती है। एक किसी को दान करे, दान करने से ईन्सान स्वयं भगवान स्वरूप बन जाता है। यह सब करने से भाग्य उध्य होता है। उसे जीवन में बहुत आनंद आता है, वही ईन्सान में शांति प्रदान होती है, शांति से सुख मिलता है, यह सब करने से वाली वंश को भी यश मिलता है। मरने के बाद लोगों के दिल में बस जाता है।



शांति क्या है

जीवन में हर एक शांति के पीछे दौड़ रहा है। लेकिन शांति मिलती नहीं है। जीवन में शान्त रहना पड़ता है क्योंकि संसार में जिस का विकास है उसका विनाश है, विकास दया है, विनाश याद रहता है। जब कोई किसी पर दया करता है तब उसे मरने के बाद याद करते हैं। एसे ईन्सान-ईन्सान का आधार है। जीवन में पहले आता ध्यान फिर आता है उसका ज्ञान, जब किसी को ज्ञान आता है, वह किताबों में लिखते है और वह बनता है आधार और उदार। जब कोई उसे पढ़ता है और तब उसे मिलता है स्वार्थ। जीवन में स्वार्थ अच्छा है, लेकिन जब किसी में लालच

आती है तब एक दूसरे को परेशान करते है, तब दु:ख पैदा होता है। दु:ख एक नया अनुभव देता है। अनुभव करते करते जीवन में, जीवन खत्म हो जाता है, अनुभव खत्म नहीं होता। लेकिन जो अनुभव से परेशान होता है, तब वह भगवान को खोज़ता है। लेकिन भगवान भावना में है। भावना अच्छी तो भगवान हरदम साथ है। लेकिन जब कोई जीवन का ध्यान करता है उसे जो ज्ञान आता है वह आता है शरीर के अंदर जो नव ध्वार है उसके उपर दसवें ध्वार से अंतरिक्ष ज्ञान आता है, जैसे शरीर हमारा कमर से नीचे पाँव तक गरम होता है, कमर से उपर मस्तिक तक ठंडा रहता है, ऐसे ही संसार में जब ऊचाई पर जाता है तब उसे ठंडक मिलती है ऐसे ही हमारे शरीर में उपर दसवें ध्वार ठंडक रहती है लेकिन दो आँखों के बीच एक सूर्य-चक्र है जो शरीर को ध्यान-ज्ञान देना है। जब किसी में उस दया-शक्ति का वास होता है उसे जीवन में बहुत आनंद आता है।



''बुराईयां''

बुराईयां सुनकर दूसरों को मत सुनाना, बुराईयां बीमारी का घर होता है बुराईयां करने से भविष्य खराब होता है। जीवन में कभी उन्नति नहीं होती, फिर कहते हैं कि अपना नसीब खराब है, इसलिए बुराईयों से दूर रहो, भावना के साथ चलो । भगवान आपपे साथ है।

लाभ पाँचम

लाभ पाँचम के दिन अच्छा मुहुर्त देखक नये साल की शुरुआत करते, भगवान की पूज करते, भगवान की मोहिनी मूर्त को हाथ जोड़क जीवन की शुरूआत करते हैं, ऐसे ही आप अपन मोहिनी सूरत रखो सबसे मुश्करा कर बात करो जीवन में रूपयों-पैसौं की बरसात होगी औ जीवन में बहुत आनंद आएगा।

बेसता वर्ष

दीपावली आती है साल में एक बार, जो दिया और जो पाया उसका हिसाब किया, जो बचे उसकी दिवाली करना, देवा लेकर दिवाली मत करना, क्योकि नया साल आता है वह और सस्ता आता है, शांति से करना। इस लिए बैंक वाले भी कहते हैं कि लोन लो। नॉलेज हो तो लोन लेना। नहीं तो मत लेना क्यों कि लोन शब्द को उलटा पढ़ो तो आता है, ''न लो'' इस लिए जीवन में शांति से चलना।



वाणी और व्यवहार

दसहरा आता है रावण के पुतले को जलात है लेकिन रावण तो कई साल पहले मर गया है। लेकिन हर साल दसहरा आता है, देह जलता है उसकी वाणी नहीं जलती। रावण ने जो वाणी और व्यवहार अच्छा नहीं किया था वह आज भी लोगों को याद आता है, ईसीलए उसके पुतले को सरे आम जलाया जाता है, यह सब लोगों के लिए संदेश है कि एसी वाणी और व्यवहार खराब करने से जीवन खराप होता है, जैसे रावण के पिता का नाम आज भी पुछा नहीं जाता है, श्री राम के पिता का नाम सबको मालूम है। हमें भी कुछ एसा करना है कि तक हमारे माता-पिता का नाम रोशन हो।



रुपया बनाने का सही मार्ग

एक रुपया और एक रुह दोनों को फूंक मारो दोनो उडते हैं, दोनो का पाया (नीवं) मज़बुत नहीं होता, लेकिन आपको रुपया बनाना है संसार में जो भी सुहानी आत्मा है यने ईन्सान है उनकी दुआ लो, दुआ से धन और देह बढता है, मस्त और स्वस्थ रहता है।

पहले गुरु माता-पिता

आज हर व्यक्ति कहता है मुझे गुरु करना है, लेकिन ईस संसार में पहले गुरु माता-पिता होते हैं। माता जो नव महिंने गर्भ में बच्चे को पैदा करती है। पिता संसार की पहचान कराता है। गुरु बनकर अपना नाम देता है और शरीर का कर भरकर मजूरी करके ज्ञान और शिक्षा निलाता है।



क्रोध न करो

जीवन में क्रोध करने से नव ध्वारों को क
होता है। कभी उन्नेत नहीं होती क्यो कि अनुभव
अहम् और अहंकार तीनों की राशि एक है, अनुभ
जीवन है कभी खत्म नहीं होता। अहम् कुछ सम
तक चलता है और अहंकार जीवन के कार्य खरा
करता है जैसे रामायण में रावणने अहंकार किय
था उसका जीवन खराब हुआ था इस लिये हम
जीवन में शांति और आनंद में रहना है।

श्री गणेशाय नम:

श्री गणपति की महिमा

णपतिदादा मुकुट है आपकी शान,

आपको कोटि - कोटि प्रणाम।

सबकी सुनते हो, सबके रुके हुए काम पूर्ण करते हो।

आपकी नज़र जिस पर पडे वह होता है महान और धनवान।

आपकी सूंठ है न्यारी, सबको लगती है प्यारी।

गणपतिदादा आपके हाथ में है लड्डु जो देखें हो जाते हैं लट्टू।

गणपतिदादा आपके हाथ में है फूल,

हम आपके चरणों की है धूल।

आपके दर्शन से हो जाते हैं कुल - कुल।

आपके हाथ म है कटार, सबकी रक्षा करत हो तलवार की धार।

गणपति दादा आपका है बढा पेट,

सभी को देते हो भरकर पेट।

गणपति दादा आपका आशिर्वाद है तो क्या बाता है,

जीवनभर का साथ है।

आपके आगे है चूहा हमारा सारा जीवन आपके चरणों में हुआ।

गणपतिदादा आपका आस्थान है बढा महान आप हो शेक्तमान।

सभी लाग गणपति दादा की मोहिनी म्रत का जल में मिलाते हैं

गणपति दादा सभी लोगों की मोहिनी सूरत को मिलाते हैं,

तभी तो हर घर में खुशियां बहार आती है। और सब कहते हैं

गणपति बापा मोरिया - अगले बरस तू जल्दी आ



''एक वेर सौ पैदा करे''

हम सब ईश्वर की संतान है, वेर करे क्य
किसीसे एक वेर सौ पैदा करे सब के सामन
बदनाम करे, ईस लिये ईश्वर ने ईन्सान को वाण
दी है व्यवहार बनाने के लिये। व्यवहार से प्या
बढ़ता है, प्यार से ईज़्जत बढ़ती है, ईज़त स
रूपया पैसा बनता है, रूह (आत्मा) को शांत
मिलती है। तब मन शांत होता है। मनमें ईश्व
ध्यान करता है, ध्यान में ज्ञान मिलता है।



''आप कौन हो?''

हर एक पिता का बेटा है। बेटा होता है समाज की भेंट, जैसे हम गुरु को कोई भेंट देते हैं, तब पहला हक अपना होता है, जब भेट हो जाती है तब हमारा कोई हक नहीं होता, एसे ही पहला हक माता-पिता का होता है अपना हक नहीं होता, क्यों कि माता-पिता उसे नाम देकर महान बनाते हैं कि अपना और माता-पिता का नाम करे और बेटे का कोई हक नहीं होता किसी को परेशान करें। जो कोई किसीको परेशान करता है तब उसके माता पिता का नाम बदनाम होता है। ईस लिये आप कौन हो ? यह जानो ।

''पूतला पाँच तत्वों का''

पाँच तत्वों से बना ईन्सान का ज्ञान क्या है? पाँच तत्वों की क़ोई स्थिरता नहीं है। ईन्सान की भी कोई स्थिरता नहीं है, जैसे धरती का देह, गगन का गख, वायु की विरता। अग्नि का ज्ञान, जल का बल, उस पर खड़ा ईन्सान कहता है मैं महान हूँ। लेकिन पाँच तत्व एक दूसरे पर आधारित है, इस लिये ईन्सान ईन्सान का आधार है। लेकिन ईन्सान खोज़ता है भगवान को, परंतु ईन्सान ही स्वयं भगवान ही तो है। भ याने भूमि, ग याने गगन, व याने वायु, अ याने अग्नि, न याने नीर (पानी) यह पाँच शब्द जोड़ो तो बनता है भगवान उनसे बना ईन्सान। फिर कहता है मैं हूँ महान।



''पाप क्या है?''

हर एक को पेट और श्वास है, उसे हर चीज़ हासिल करनी है, लेकिन किसी चीज़ को पाना है प्यार से, लेकिन ईन्सान रेस का घोड़ा है उसे जल्दी पाना है, उससे एक वेर से सौ पैदा क्यों न हो पर पाना है। पाप क्या है ? उसे यह मालूम ही नहीं होता। लेकिन जब उसे पसतावा होता है तब उसे मालुम होता है कि यह मैंने पाप किया है, तब वह सोचता है यह मुझे नहीं करना था, लेकिन उसका भुकतान बहुत बड़ा भरना होता है, उससे दूसरे लोग सीखते है कि एसा पाप करने से जीवन खराब होता है।

''हर घर के लिए संदेश''

दहेज होता है बेटी को बहु की तरह सजा कर देना, रूपया पैसा लेना न देना।

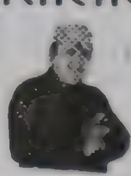
१. हमारे घर की तू बेटी है, एक दिन बनेगी किसी के घर की बहु। चलना उस घर में इस घर की तरह हुबहु।

२. सासुमाँ के आगे काम करेगी तो अपना और अपने माता-पिता का नाम करेगी। काम एक कसरत है। काम को समझेगी कसरत तो शरीर मस्त और स्वस्थ। काम को समझेगी बोज तो लेना पडेगा दवा का डोज़। नहीं तो फिर करनी पडेगी नियमित वॉक टॉक।

३. उस घर के देवर और नणंद से सदा करना प्यार। देवर की दीवार हटाकर नणंद से प्यार करके उस घर को खुशहाल बनाना।

४. ससुर होता है घर का सरताज। उस ताज को आंच न आने देना। जैसे बचपन से जवानी तक हमारा साथ निभाया ऐसे बहु से लेके बुढ़ापे तक उनका साथ निभाना।

५. घर एक मंदिर होता है उस मंदिर में सभी के साथ मन मिलाकर प्रेम से चलना। – श्री मोतीलाल बापू



"काम, क्रोध, लोभ, मोह अहंकार का सफर"

जीवन का आधार पाँच तत्वों से बना ईन्सान उसे जीवन में पाँच (५) बातों का ज्ञान होना अवश्य चाहिये। काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार।

१. **काम**-जीवन को चलाने के लिए काम एक कसरत है। काम को समझोगे कसरत तो शरीर रहेगा स्वस्थ और मस्त, काम को समझोगे बोझ तो लेना पड़ेगा दवा का डॉज़। नहीं तो फिर करनी पड़ेगी नियमित वोक-टॉक। जीवन में काम एक वासना है। वासना की तृप्ती करने से वंश पैदा होता है वह संसार की उत्पति है उसे कोई नहीं रोक सकता।

२. **क्रोध**- हर एक ईन्सान के अंदर क्रोध की तीन शक्तियाँ है पहली नज़र की शक्ति, दूसरी वाणी की शक्ति और तीसरी हाथ की शक्ति। ये तीन शक्तियाँ हर एक को होती है। जब घर में वंश आता है, तब माँ-बाप अपनी नज़र से बेटे पर ध्यान दें, जब बच्चा ७ (सात) साल का हो उसे वाणी से दिक्षा दे क्यों कि एक साल से लेकर ७ (सात) साल तक बच्चे को समझ आती है, १४ (चौदह) साल के बच्चे को बुध्धि आती है। जब वह १४ (चौदह) साल का हो तब उसे शिक्षा और दिक्षा दे क्योंकि १४ साल तक बच्चा वन में

रहता है, माता पिता बन में रहते हैं। वन (वृक्ष) तो शीतल देता है वह बच्चा भी वन मैं रहता है। और शांति से चलता है।

माता पिता जो बन में रहते हैं, उसे मालुम है कि हमने ही उसे संसार दिखाना है, उसे ज्ञान और ध्यान हमें ही देना है। जब बच्चा १५ साल का हो तब पिता उसे बाजार जाकर अपनी वाणी और व्यवहार का एहेसास करावे। बाज़ार में हाथ पकड़ कर कैसे चलना है उसे दिखाये। जब बच्चा मां-बाप का मन जीत लेता है तब पिता को **लोभ** आत्ता है वह बाज़ार से कमाकर लाता है अपनी बीवी बच्चों के लिये सच-झूठ का व्यापार करके घर में पैसे लाता है कि यह सोचकर बुढ़ापे में मेरा बेटा मेरा सहारा बनेगा तब उस पिता में **मोह** आता है कि बेटा मुझे खिलायेगा, मेरे बुढ़ापे का सहारा बनेगा और मेरा नाम रोशन करेगा। तब उस पिता में **अहंकार** आता है वह अपने सगे-संबधी, अडोस पड़ोश और बाज़ार कहता फिरता है कि मैं तो अपने बच्चों के लिये कमाता हूँ। नाम बच्चों का और अपना अहंकरा भी होता है कि मैं सब से आगे काबिल बनू-नाम रोश़न हो और घर में भी मेरा बच्चों पर अहंकार हो कि मेरे पिताने कुछ कर दिखाया। लेकिन काम क्रोध लोभ मोह अहंकार ये पाँच पर ईन्सान ध्यान दें काम को वश में करो, क्रोध किसीके आगे न करो, लोभ कभी स्थान नहीं देता, मोह दु:ख पहुँचाता है और अहंकार अपने कार्य खराब करता है। ईसलिये जीवन में एक आधार और उधार बनो और जीवन में शांति से चलो।



''सुख क्या है ''

संसार सत्य है सदा खुश रहना है, अंधकार से उजाले में पैदा होते हैं। सुख हमेंशा रहता नहीं है। क्योंकि शौक की कोई सीमा नहीं है, सुख भी बदलते रहता है। जब कोई सुख पाता है तब उसे और आगे सुख दिखता है, जीवन खतम हो जाता है, लेकिन सही सुख शरीर के शब्द में होता है, जो सही शब्द बोलता है, सब के दिलोमें बस जाता है, वह कभी दु:खी नही होता, लोग भी उसे साथ देते है।



"हर घर के लिए संदेश"

(१) राजा दशरथ को तीन रानीयां थी लेकिन हिन्दु शास्त्र से शादी एक होती है तीन नहीं, लेकिन तीन रानीयों में तीन कहानीयां थी, पहली रानी थी **कौशल्या**, दूसरी **सुबोद्रा**, तीसरी **केकही** आज हर पत्नी में तीन बातें होती हैं, वह घर में रामायण नहीं होती।

पहली राणी थी कौशल्या। पत्नी घर में रहे खुश खुशाल जब पति बजार से घर आए तब उसे एक ग्लास पानी दे घर की कोई भी बात खाना खाने के बाद बताए तो रामायण नहीं होगी। दुसरी राणी थी सुबोद्रा । पत्नी में सुद बुद्धि हो जब पति ऑफिस जाए तब चाय-नास्ता समय पर दे घर की चीज न हो व उसे लिख दे ताकी व चार पैसे कमाकर चार चीजें घर ले आए। तीसरी रानी थी केकई बाप ने बेटे को किया कही उस घर की बातों पर ध्यान न दे क्योंकि उसके माता पिता ने पहले पसंद क्या बाद में उसने शादी की माता पिता की रामायण न करें।

माननीय श्री नरेन्द्रभाई मोदी

आप के नाम की व्याख्या

श्री नरेन्द्रभाई मोदी आप महान हो, गुजरात की शान हो जैसा आपका नाम वैसा आपका काम है।

न ➺ आप किसी को कभी कोई काम के लिये ना नहीं करते हो, काम एक कसरत समझकर काम को आप जल्दी पूरा करते हो।

रे ➺ आप रहमदिल हो, सब की बातें समझते हो, बातों का ध्यान देकर उनका काम पूरा करते हो।

न्द्र ➺ आप नींद में भी गुजरात के लोगों की सोचते हो, रूके हुए काम को जल्दी पूरा करते हो।

भा ➺ आप भाईचारे को समझते हो, सभी धर्मो से जुड़कर चलते हो।

ई ➺ आप में ईश्वर शक्ति का भंडार है लोगों को साथ है हमारा आपको आर्शीवाद है।

मो ➺ आप मुख से जो जनता से वादा करते हो, उसे जल्दी पूरा करते हो।

दी ➺ आप जो भी काम गुजरात के लिये दिमाग में सोचा, उसे पूरा करते हो, तभी तो आप महान हो, गुजरात की शान हो। **मुख्यमंत्री** उसे कहते है जो मुख से गुजरात की जनता को वचन दें और मन से मंत्र जाप करते संकल्प बनाकर उसे पूरा करें, एसे ही आप महान हो, गुजरात की शान हो।



"जीवन में दास बनो"

आप किसी मुख से चार बातें दास बनकर सीखोगे, समझोगे तो जीवन आपका सफल हो जायेगा। लेकिन लोगों ने उस रामायण को न पढ़ते हुए उसे पुजा स्थान पर रखकर अपनी ही रामायण करते करते जीवन व्यर्थ कर दिया। रामायण है इस संसार में रहने का वर्णन लेकिन लोगों ने उस रामायण को न पढ़ते हुए अपना जीवन व्यर्थ कर दिया। अभी आपको शांति पानी है तो किसी अच्छे गुरू के सत्संग में जाकर जीवन सफल बनाओ।

''हम सब एक हैं''

ईश्वर ने चोरासी लाख जीवों में सर्वश्रे बनाया ईन्सान को हम सब एक हैं। परेशान क क्यों किसी को मरने के बाद कंदे का सहारा लेन है स्मशान तक। कर्ज़दार बनाना है अपने आप को। इस लिए वाणी और व्यवहार एसा बनाए मर्यादा पुरषोत्तम राम की तरह।

''उसकी मर्जी''

आप माता-पिता के बेटे हो किसी के आगे शून्य बन कर देखो उसकी मर्ज़ी क्या है। भगवान देते हैं सभी को कहेते नहीं किसी को, आप भी किसी को देकर कहना न किसी को। फिर देखो उसकी मर्जी क्या है। भगवान देगें छपर फाड़कर आप संभल नहीं पाओगे अपने आप को।



''शब्द ही शरीर को तारे''

माता पिता बेटे को पैदा करते है, दूसरों
खुश करने के लिए और माता पिता का नाम क
के लिए, क्योंकि हर व्यक्ति का जीवन एक
की तरह होता है, वन जो शीतल देता है, ऐसे
आप भी सबको शब्द से शीतल दो क्यों के
शब्द शरीर को मारे और एक शब्द शरीर को ता
शब्द ही जीवन का सार है।



''जन्म पत्री''

रामायण में राजा दशरथ अयोध्या नगरी के राजा थे। अभी आप राह में हो आपके शरीर में नव द्वार है उसके दसवें राजा आप हो लेकिन जिस नगर में आप पैदा हुए हो आपकी आयु आधी है। आधी आयु अपके पिता की है, इसलिए हर एक की जन्म पत्री उसके पिता और पुत्र से ही बनती है। एक नाम से कुछ नहीं होता। पिता के नाम से संसार में सभी काम सरल होते है। आप भी जिस नगर में आये हो दशरथ की तरह संसार में नाम अमर कर जाओ।



''तन मन धन से सेवा करो'

आज हर व्यक्ति मंदिर जाता है, तन य
हाथ जोड़ता है, मन याने हँसता है, पेटी में कु
धन डालता है, फिर कहता है मैंने तन, मन ध
की सेवा की। लेकिन संतवाणी हमें समझाती
तन की सेवा याने समाज की सेवा, मन की से
संतवाणी के दो बोल किसी को सुनाओ, धन
सेवा किसी जरुरतमंद को देकर उसका आध
और उद्धार करो।

मंदिर बने हैं मैं को याने (अहंकार) को त्या
करो, हाथ जोड़कर मंदिर से शुरूआत करो कि
के आगे (अहंकार) न करो, अहंकार जीवन
कार्य खराब करता है।



''दुकानदारी क्या है ''

''दुकानदारी है दु:ख सुख के कर्म लिखना?''

(१) व्यापार करना ➜ व्यवहार बढ़ाना।
(२) व्यवहार बढ़ाना ➜ ईज़्ज़त क़माना।
(३) ईज्जत कमाना ➜ रुपिया पैसा आना।
(४) उधार करना ➜ किसीका उद्धार करना।
(५) उधार दे दे करना ➜ धक्के खाना।
(६) उधार वापस न करना ➜ दान लेना।
(७) दान करना ➜ दुगना आना।
(८) ईन्सान ईन्सान का आधार है, ईन्सान ही काम है आता है। अंत समय में स्मशान में वही साथ आता है।



"बापू के पांच मंत्र

रोज सुबह मंत्र बोलने से आपके १००% इच्छाअें
होगी।

(१) मेरे माता-पिता ने सुंदर से संसार में जन्म दिया उ
मैं आभारी हूँ।

(२) मेरे माता-पिता ने मुझे नाम दिया उसका मुझे म
सन्मान मिला उनका मैं आभारी हूँ।

(३) मेरे गुरू सन्त साईं शिक्षकने मुझे शिक्षा और दिक्षा
उनका मैं आभारी हूँ।

(४) भगवान आपने सुंदर संसार में अन्न-जल आदि मु
में दिया आपका मैं आभारी हूँ।

(५) मेरे भाई बहन सगे सम्बन्धी तथा व्यापारीओं ने
मान-सन्मान दिया उनका मैं आभारी हूँ।

यह पांच मंत्र बोलने से संसार के सभी लोगों का आ
मानते है तब लोगों प्यार करते है प्यार से पैसे आते हैं पैसे
इज़्ज़त बनती है इज़्ज़त से सबके दिलो में मान सन्
मिलता है।

''आत्म समर्पण''

1. जब हमने जवानी में कदम रखा शादी की सुन्दर संसार में जीवन की शुरूवात हुई।
2. जब हम दोनों में खूब प्यार हुआ भगवान ने हमें गोद में नन्हा फरिश्ता दिया हमने सोचा हमें बुढापे का सहारा मिला।
3. जब बच्चा 6 साल का हुआ चलना सीखा शरीर का कर भर कर महेनत कर के स्कूल में शिक्षा दिलाई।
4. जब बच्चा 12 साल का हुआ तब बच्चे ने हम दोनों का दिल जीत लिया आपस में प्यार हुआ घर में खुशीयाँ बहार आई।
5. जब 16 साल का हुआ दोस्तों के साथ चलने लगा अपना मुकाबला करने लगा।
6. जब 18 साल का हुआ तब सोचा इसे संसार के काबिल बनाऊँ मेरा साथी बनाऊँ।
7. जब 24 साल का हुआ यहाँ वहाँ से कर्ज लेकर शादी करवाई अपना फर्ज् पूरा किया।
8. जब 28 साल का हुआ हमारा कहना न मानकर पत्नी के पीछे पागल था।
9. जब 35 साल का हुआ तब सोचा अब हमारा बनेगा लेकिन अपनी इ़ज़्ज़त और बीवी बच्चों के पीछे लग गया।
10. जब 42 साल का हुआ अब हमारे बुढापे का सहारा बनेगा लेकिन तब उसने कहा पिताजी ने मेरे लिये किया ही क्या है ?
11. जब हमने सोचा हमारे बुढापे का क्या होगा हमने बुढा आश्रम का दरवाज़ा खटखटाया जीवन का सहारा बनाया आत्मसमपर्ण किया।



''लक्ष से लक्ष्मी आती है''

आज हर व्यक्ति कहता है कि मुझे रूप
चाहिये लेकिन इस संसार में पहले इन्सान आ
फिर व्यवहार आया फिर व्यापार आया फि
ईज़्ज़त आई फिर रूपया पैसा आया इस लि
पहले अच्छे बनो फिर अच्छा व्यवहार करो लो
आप से व्यापार करेगें ईज़्ज़त भी देंगे और रूप
पैसा भी देंगे लेकिन लक्ष से लक्ष्मी आती है, लक्ष
अच्छे होंगे तो लक्ष्मी सामने से आएगी।



‘‘बच्चे पर ध्यान ?’’

एक साल से ७ साल के बच्चे को सम
आती है, ७ से १४ साल के बच्चे को बुद्धि आ
है, इस लिए १४ साल तक बच्चा वन में रहता
पिता बन में रहता है, पिता के शरीर में ती
शक्तियां होती है : (१) नज़र (२) आवाज़ (
हाथों की ताकत, पहले बच्चे पर नज़र रखो दूस
शब्द से उसे समझाओ, जब १४ साल का बच
हो तब बाज़ार में हाथ पकड़कर बाज़ार में अप
इज़्ज़त, व्यवहार, व्यापार दिखाकर सिखाओ
बच्चे को समाज के लिए ऐसा सुंदर बनाओ लो
कहें कि किसका बेटा है? उसके पिता का न
क्या है ?



''बेटी होती है भेंट''

बेटी आती है देवलोक से माँ के कोख मैं उसका कभी पाप मत करना।

क्यों कि बेटी आती है घर में प्यार खुशीयाँ बहार लाती है, बेटी होती है किस घर की बहू। बचपन से जवानी तक माँ-बाप का साथ निबाती है। बहू से बुढ़ापे तक उस घर का साथ निभाती है हर घर में रिश्ते बड़ाती है तबी तो कहते है बेटी होती है कन्या दान जो करता है कन्या दान वह होते हैं महान।



''बुढ़ापा क्या है ?''

एक बुढ़ा और एक भुट्टा याने मक्काई-मक्क
में लिम्बू मिर्च डालते मुँह में लाड आती है, बु
को देखकर गुस्सा आता है। बुढ़ा वह जो बोल
ज्यादा है और सुनता कम है, लेकिन जब कि
व्यक्ति को किसी का सहारा मिलता है तो व
बुढ़ापे का अहेसास करता है, लेकिन आप क
बुढ़ापे का अहसास मत करना, जीवन में स
काम करते रहना, कांम एक कसरत है, उस
शरीर स्वस्थ और मस्त रहता है। सदा मस
रहना और हस्ते रहना।



‘शांति से चलो?’’

आज हर व्यक्ति जो रोड पर चलता है, उस रोड शब्द को उल्टा पढ़ो तो आता है डरो-ईस लिए शांति से चलना क्योंकि आपके घर कोई ईन्तज़ार कर रहा है, कभी किसी का ‘‘ओवर टेक’’ मत करना क्यों कि सामने से जो वाहंन आते है वे होते है यमदुत के यान, उठाकर ले जायेंगें। इस लिए शांति से चलना।

‘‘स्वर्ग कहाँ है ?’’

स्वर्ग को कोई सीडी नहीं होती, लेकिन ऐसी वाणी बोलो कि मरा मरा करते सभी लोगों के दिल में बस जाओ श्री राम की तरह अपना और अपने पिता का नाम रोशन करो और ़मार्ग पर आपका नाम लिख जाओ सदा आपको याद करें।



''शबरी का प्यार''

शबरी ने राम को बेर खिलाये चखं चख क
मीठे, खट्टे नहीं, आपके पास कोई आये उसे शां
और सबुरी से चख कर दो बोल मीठे सुनाओ
उसे आनंद आ जाए, जीवन में सदा आपको या
करें। शबरी और राम की तरह।

''याद करे ज़माना ?''

याद शब्द को उल्टा पढ़ो तो आता है दय
आज कोई किसी को तन मन धन से किसीव
उधार करता है उसे हर कोई व्यक्ति सदा या
करता है, आप भी ऐसा कुछ कर जाओ-लो
आपको याद करे।



''मंदिर की घंटी''

हर व्यक्ति मंदिर जाता है। मंदिर की घंटी बजाता है। अपने सोये हुये लक्ष को जगाता है भगवान की मोहिनी मूर्ति को हाथ जोड़कर अपने संकल्प पूर्ण करता है, ऐसे ही आप अपनी मोहिनी सूरत रखो। सब से मुस्करा कर हाथ जोड़कर जीवन की शुरूआत करो। जीवन में बहुत सुख का आनंद आयेगा।



''नरक ध्वार कहां?''

संसार से स्वर्ग नरक का मार्ग बनता है
प्राणी मरे स्वर्ग ध्वार जानवर मरे नरक ध्वार
जानवर की कोई व्याख्या नहीं होती ईन्सा
महान है। जीवन में जो घर के लिए करता है व
गुड (अच्छा) होता है। समाज के लिये जो करत
है वह ग्रेट (महान) होता है। और जो संसार
लिये करता है वह गोड (भगवान) होता है जै
''संत महात्मा''



"नाम महान है"

हर एक प्राणी में एक तूल (आत्मा) होती है, वह कभी भी गुल हो जाती है। लेकिन ईन्सानों में जो तूल (आत्मा) होती है उसे माता-पिता नाम देकर महान बनातें हैं। बेटे को जो नाम मिलता है उस नाम को महान बानने के लिए। जो बेटा नाम के साथ श्री-संत-सांई बनता है उसके साथ माता पिता का नाम रोशन होता है।



''दु:ख क्या है?

दु:ख जीवन में कभी आता नहीं है, लेवि
दु:ख एक नया अनुभव देता है, इसलिये अनु
जीवन है, कभी खत्म नहीं होता, लेकिन दु
अनुभव की सीढ़ी है, व्यक्ति को जब अति दु
होता है, वह अपने देह को खत्म कर देता
लेकिन देह माता-पिता का देन है उसे खत्म क
से वह व्यक्ति समाज का दोषी होता है।



''वाणी का सुख

हर व्यक्ति संसार में स्वम् पैदा नहीं हो
उसे माता-पिता खुश होकर पैदा करते हैं। संस
में नाम करने के लिए आप राह में हो मुख के बर्त
दाँत के साथ जीब हिल मिल कर संसार के स
स्वाद चखती है, मुख से एसी वाणी बोलो
संसार के सब सुखों का आनंद मिले। आप
और आपके माता-पिता का नाम रोशन हो



महान बनने का मार्ग

जीवन में गौ की तरह मौन रहोगे तो एक दिन महान बनोगे। गाय देती है दूध, आप सभी को दिलदारी और प्यार दोगे तो एक दिन महात्मा गांधी जैसे बन जाओगे।



दीपावली

दीपावली आती है साल में एक बार, दीप जलाते हैं, खुशीयां मनाते हैं ऐसे ही देह में वाणी मिलती है एक बार वह वाणी और व्यवहार एसा नाओ कि आपका देह पावन हो जैसे ''श्री राम भगवान'' को याद करते हैं कि वह मर्यादा पुरुषोत्तम थें, जीवन में कुछ एसा करो कि मरने के बाद ज़माना याद करें।



''८४ (चोरासी का चक्र)''

संसार में चोरासी जीवों का चक्र
अट्ठाईस लाख जीव धरती में तथा समुद्र में हो
हैं। अट्ठाईस लाख जीव उड़ते हैं। अट्ठाईस ला
जीव चलते हैं। उन में ईन्सान ही एक महान
इस चोरासी के चक्र से मुक्ति पानी है तो मुख
ऐसी मधुर वाणी बोलो सभी के दिल में बस जा
ईस संसार से स्वर्ग ध्वार तक अपना जीव
सफल बनाओ।



"मधुर वाणी बोलो "

एक भक्त ने बापूजी से पूछा, रावण तो कई साल पहले मर चुका है लेकिन ''श्री राम'' कब मरे? लेकिन राम और रावण पहले भी थे और आज भी है। जो वाणी खराब बोलता है वह व्यक्ति नज़र के सामने जीते जी **''मर जाता है''** हर कोइ राह में है, तभी तो हर एक दूसरे से राम-राम करते हैं। राम कभी मरता नहीं है, लेकिन राम शब्द को उलटा पढ़ो तो आता है **''मरा''** मरने के बाद भी वह लोगों के दिल में बस जाता है, एसे ही ''श्री राम'' लोगों के दिलों में बसे हुये है एसे ही आप भी एसी मधुर वाणी बोलो, और लोगों के दिलो में बस जाओ।



''परमात्मा कहाँ है?''

परमात्मा को पाने के लिये हर कोई अपन
अपने अनुभव बतातें हैं कि भगवान एसे मिलत
है। लेकिन किसीका बच्चा गुम हो जाता है तब
बच्चा रोता है लेकिन पिता उसे ढूंढता है। एस
ही हम सब उस परमात्मा के बच्चे हैं। जो बच्च
अपनी अच्छी भावना से चलता है, भगवान उसे
एसा अनुभव दिखाता है, लोग उसे ही भगवान
स्वरूप मानते हैं, उसकी पूजा करते हैं। हम सब
को अच्छी भावना से चलना है, भावना में हमे
भगवान मिलता है।



''भावना में भगवान ''

भगवान को पाने के लिये कोई जप, तप करना नहीं होता, भगवान को वो ही पाता है जो भावना में रहता है। जिसकी भावना अच्छी होती है उस के साथ भगवान हर दम साथ रहते हैं। उसे लोग कहते हैं यह तो भगवान स्वरूप है, एसे लोगों को भगवान को खोज़ना नहीं पड़ता, भगवान उनसे मिलते हैं।



''ईच्छा को पाना है''

हर एक व्यक्ति के हाथ में पाँच ऊँगलिय
छोटी बड़ी होती है, वह इसलिये होती है ि
आपके ५०% काम छोटे बड़े होंगे। १००% न
होंगे। क्योंकि आप स्वंय पैदा नहीं हुए हो, आपव
आपके माता पिता ने पैदा किया है तो रोज़ सुब
अपने माता पिता को प्रणाम करो, फिर काम व
शुरूआत करो आपकी ईच्छायें १००% पू
होगी।



''सब से प्यार करो।''

संसार सुंदर है, इस संसार में पहले ईन्सा[n] आया, फिर व्यवहार आया। फिर व्यापार आया फिर ईज़्ज़त आयी, फिर रूपया आया। यह स[ब] कुछ पहले अच्छा था, लेकिन आज लोगों [ने] व्यापार में प्यार न किया, उससे पैदा हुआ दुआ बद्‌दुआ, दया, दवा और कुछ हुआ। आज ह[र] एक व्यक्ति दुःखी है, इस लिये सुख पाना है, त[ो] सब से प्यार करो, सब को खुश करो, खुश में ह[ी] सुख का आनंद आता है।



"रूपया पैसा"

आज हर कोई रूपयों पसों के पीछे दौड़ रहा है लेकिन जो कोई रूपये पैसे कमाने के लिये दोखा करता है, उसे यह मालूम नहीं कि अंत समय मरने के बाद परमेश्वर पिता से मिलना हैं वहाँ धरमराज अपना हिसाब-किताब निकालेगा तब क्या होगा? इस लिए सब लोंगो को संदेश है कि जीवन एक आधार और उध्धार है इसलिये सब से प्यार और व्यवहार से चलो।



''कफन को जेब नहीं होती''

आज हर एक व्यक्ति पैसों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन पैसे साथ नहीं आते फिर भी जो पैसे कमाकर घर में लाता है वह घर भी खाली का खाली रहता है, उसे आज तक कोई भी भर नहीं पाया। कफन को जेब नहीं होती, लेकिन बापूजी कहते हैं, जो साथ ले जाना है वह है एक सूर और एक सन्मान, एक सूर की वाणी एसी बोलो सबके दिल में छा जाओ, दूसरा सबको सन्मान दो ताकि ज़माना आपको याद करें।



'गुरू का प्यार''

हर व्यक्ति अपने गुरू के पास जाता है। अपने सोये हुये लक्ष को जगाता है, गुरू की मोहिनी सूरत को हाथ जोड़कर अपने संकल्प पूर्ण करता है, गुरू उसे आशिर्वाद देता है कि आप भी जीवन में सबसे मुस्कराकर हाथ जोड़कर जीवन की शुरूआत करो। जीवन में रूपयों पैसों की बरसात होगी जीवन में बहूत सुख का आनंद आयेगा।



''दो बातें''

हर कोई संसार में आता है दो बातें स
लाता है एक रोना दूसरा हँसना। यह दो ब
जिन्दगी के साथ लेकर चलता है, लेकिन जो
बातें माता-पिता देतें है, उस पर ध्यान दो।
मता-पिता खाना खिलाते हैं बड़े होकर कि
को खिलाना तो कोई पूछे आपके माता-पि
का नाम क्या है। दूसरा मां-बाप सदा प्यार क
हैं। बड़े होकर सबसे प्यार करना तो कोई पू
आपके माता-पिता का नाम क्या है। यह दो ब
जीवन में सब से साथ लेकर चलना, सब
आधार और उदार बनना। अपनी इज़्ज़त बना
अपने माता-पिता का नाम रोशन करना।



''संतों की वाणी''

हर कोई संतों के आश्रम में जाता है वहाँ संतों का सत्संग सुनता है वह संतों की वाणी ईसलिए सुनता है क्यों कि घर भी एक आश्रम हाता है जो कोई आपके घर आता है वह आपके शरण में आता है, जो संतों की वाणी सुनकर आत हो वह वाणी उसे सुनाओ वह सुनकर आनंद में आए और आप से पूछे आपका गुरू कौन है? तो आपका नाम होगा और आपके गुरू का नाम रोशन होगा।



''तुलसी दास''

रामायणं में तुलसीदास ने रामायण लिख
''अभी आप राह में हो आपके अंदर जो तू
(आत्मा) है वह कभी भी गुल हो जायेगी।'' उ
जो माता-पिता ने नाम देकर महान बनाया है व
इसलिये कि आप सभी के आगे दास बनोगे त
अपना और अपने माता-पिता का नाम करोगे
तुलसीदास जैसा नाम रोशन करोगे।

हनुमान चालीसा

श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मन मुकुरू सुधारि।
बरनऊं रघुबर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि।।
बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन कुमार।
बल बुद्धि विद्या देहु मोहिं, हरहु कलेश विकार।।

॥ चौपाई ॥

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर। जय कपीस तिहुं लोक उजागर॥
रामदूत अतुलित बल धामा। अंजनिपचत्र पवनसुत नामा।।
महावीर विक्रम बजरंगी। कुमति निवार सुमति के संगी।।
कंचन बरन विराज सुवेसा। कानन कुण्डल कुंचित केसा।।
हाथ बज्र और ध्वजा बिराजै। कांधे मूंज जनेऊ साजै।।
शंकर सुवन केसरी नन्दन। तेज प्रताप महा जगबन्दन।।
विद्यावान गुनी अति चातुर। राम काज करिबे को आतुर।।
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया। राम लखन सीता मन बसिया।।
सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा। विकट रूप धरि लंक जरावा।।
भीम रूप धरि असुर संहारे। रामचन्द्र जी के काज संवारे।।
लाय संजीवन लखन जियाये। श्रीरघुबीर हरषि उर लाये।।
रधुपति कीन्हीं बहुत बड़ाई। तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई।।
सहस बदन तुम्हरो यश गावैं। अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं।।
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा। नारद सारद सहित अहीसा।।
जम कुबेर दिक्पाल जहां ते। कवि कोविद कहि सके कहां ते।।
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा। राम मिलाय राजपद दीन्हा।।
तुम्हरो मन्त्र विभीषन माना। लंकेश्वर भये सब जग जाना।।

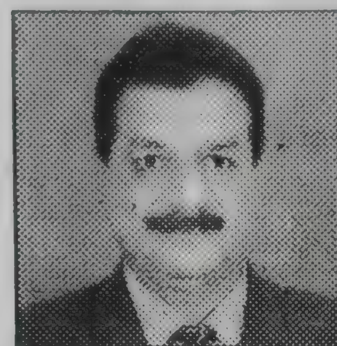
जुग सहस्त्र योजन पर भानू। लील्यो ताहि मधुर फल जान
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं। जलधि लांघि गए अचरज नाहीं
दुर्गम काज जगत के जेते। सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते
राम दुआरे तुम रखवारे। होत न आज्ञा बिनु पैसारे
सब सुख लहै तुम्हारी सरना। तुम रक्षक काहू को डरना
आपन तेज सम्हारो आपै। तीनों लोक हांक ते कांपै
भूत पिशाच निकट नहिं आवै। महावीर जब नाम सुनावै
नासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बीरा
संकट ते हनुमान छुड़ावै। मन-क्रम-वचन ध्यान जो लावै
सब पर राम तपस्वी राजा। तिनके काज सकल तुम सांजा
और मनोरथ जो कोई लावै। सोई अमित जीवन फल पावै
चारों जुग परताप तुम्हारा। है परसिद्ध जगत उजियारा
साधु सन्त के तुम रखवारे। असुर निकंदन राम दुलारे
अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता। अस वर दीन जानकी माता
राम रसायन तुम्हरे पासा। सदा रहो रघुपति के दासा।
तुम्हरे भजन राम को पावै। जनम-जनम के दुख बिसरावै।
अन्तकाल रघुबरपुर जाई। जहां जन्म हरि भक्त कहाई।
और देवता चित्त न धरई। हनुमत सेइ सर्व सुख करई।
संकट कटै मिटै सब पीरा। जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।
जय जय जय हनुमान गौसाईं। कृपा करहु गुरूदेव की नाईं।
जो शत बार पाठ कर कोई। छूटहि बंदि महासुख होई।
जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा। होय सिद्धि साखी गौरीसा।
तुलसीदास सदा हरि चेरा। कीजै नाथ हृदय महं डेरा।
पवन तनय संकड हरण, मंगल मूरति रूप।
रामलखन सीता सहित, हृदय बसहु सुर भूप।।

With Best Compliments From :

મહેશભાઇ એન. મહેરચંદાણી

M. : 99781 30731
: 94261 70740
: 93777 68774





એમ. એમ.
એસ્ટેટ બ્રોકર

મકાન, દુકાન ટેનામેન્ટ,
બંગલોઝ લે-વેચ માટે મળો.

****

કૃષ્ણનગર ચાર રસ્તા, જૈન દેરાસરની બાજુમાં,
કૃષ્ણનગર, સૈજપુર બોઘા, અમદાવાદ-૪૬.

Auspicios Days During Sambat 2068

Year 2011-2012

FESTIVEAL	DATE	DAY
Ram Navmi	12-04-2011	Tuesday
Vaisakhi	13-04-2011	Wednesday
Mhavir Jayanti	16-04-2011	Saturday
Sant Baba Brahmleem Day	27-04-2011	Wednesday
Akhan Teej	06-05-2011	Friday
Rath Yatra	03-07-2011	Sunday
Guru Poonam	15-07-2011	Friday
Samll Satam	05-08-2011	Friday
Raksha Bandhan	13-08-2011	Saturday
Independence Day	15-08-2011	Monday
Tijri	16-08-2011	Tuesday
Thadhri	21-08-2011	Sunday
Janmashtmi	22-08-2011	Monday
Aana Matyo	26-08-2011	Friday
Ganesh Chaturthi	01-09-2011	Thursday
Mahalaxmi Sagra Badhan	05-09-2011	Monday
Ban Badhri	08-09-2011	Thursday
Shiradh Begin	12-09-2011	Monday
Shiradh End	27-09-2011	Tuesday
Durga Ashtmi	04-10-2011	Tuesday
Dassera	06-10-2011	Thursday
Sharad Poonam	11-10-2011	Tuesday
Aahoi Virit	20-10-2011	Thursday
Dhan Teras	24-10-2011	Monday
Diwali	26-10-2011	Wednesday
New Year	27-10-2011	Thursday
Bhai Beej	28-10-2011	Friday
Labh Pancham	30-10-2011	Monday
Gop Ashtmi	03-11-2011	Thursday
Guru Nanak Jayanti	10-11-2011	Thursday
Lal Loi	13-01-2012	Friday
Makar Sankranti	14-01-2012	Saturday
Republic Day	26-01-2012	Thursday
Basant Panchami	28-01-2012	Saturday
Maha Shiv Ratri	20-02-2012	Monday
Dhuleti	08-03-2012	Thursday
Chetichand	24-03-2012	Saturday

अपनी राशी पहचानिए

क्रम	राशि	राशियों का अक्षर	राशि का स्वामी
1.	मेष (Aries)	चू चे चो ला ली लू लो अ	मंगल
2.	वृषभ (Taurus)	इ उ ए ओ वा वी वू वे वो	शुक्र
3.	मिथुन (Gemini)	कु की का ध ङ छ के को ह	बुध
4.	कर्क (Cancer)	ही हू हे हो डा डी डे डो	चन्द्र
5.	सिंह (Leo)	मा मी मू मे मो टा टी टू टे	सूर्य
6.	कन्या (Vigro)	टो प पी पू ष ठ पे पो ण	बुध
7.	तुला (Libra)	रा री रू रे रो ता ती तू ते	शुक्र
8.	वृश्चिक (Scropio)	तो ना नी नू ने नो या यी यू	मंगल
9.	धनु (Sagitarius)	ये यो भी भू ध फ ढ़ भे	गुरू
10.	मकर (Carpricorn)	मो जा जी खू खी खो ग गी	शनि
11.	कुम्भ (Aquarias)	गु गे गो सा सी से सो द	शनि
12.	मीन (Pisces)	दी दू थ झ ञ दे दो चा ची	गुरु

॥ राशी फल ॥

यह सच है कि भगवान है। भगवान कर्म फल प्रदांता है। भगवान न्यायकारी है। एक दृष्टिकोण ऐसा है कि भगवान पूरे ब्रह्मांड में Actor, Viewer और Director की तरह बरत रहा है। ऐसे दृष्टिकोण पर हम खड़े नहीं रह सकते।

राशि फल भले ही देखें। अगर हमारे राशि में कुछ अच्छा लिखा है तो वह खुद आकर फल देगा। किन्तु हमें प्रारब्ध के भरोसे न रहकर, आलस्य का त्याग करके, अथक परिश्रम करना चाहिए। अगर राशि फल में कुछ बुरा भी लिखा है तो हम कर्म करते समय उस प्रकृति अथवा काल से न डरें।

कर्म करने से तो रह नहीं सकते हैं। कर्म तो करना ही पड़ेगा। कर्म करते समय मन में ऐसा बीज न बोऐ कि फसल काटते समय रोना पड़े या पछताना पड़े। इसलिए किसी कवि ने कहा है कि

अगर फूल नहीं बो सकते तो, काँटे कम से कम मत बोओ।

हो सकें तो पाप कर्म न करें और शुभ कर्म करें, हो सकें तो न दुःख दें, ना दुःखी हों। तटस्थ करें। अगर मोक्ष चाहते हो तो निष्काम कर्म करके अकर्ता बनें।

|| विवाह के शुभ मुहूर्त ||

चैत्र

29-04-2011	FRI
30-04-2011	SAT

वैशाख

05-05-2011	THUR
06-05-2011	FRI
11-05-2011	WED
13-05-2011	FRI
14-05-2011	SAT
15-05-2011	SUN
16-05-2011	MON
17-05-2011	TUE
18-05-2011	WED
19-05-2011	THUR
20-05-2011	FRI
21-05-2011	SAT
22-05-2011	SUN
23-05-2011	MON
24-05-2011	TUE
26-05-2011	THUR
27-05-2011	FRI
28-05-2011	SAT
29-05-2011	SUN
02-06-2011	THUR
03-06-2011	FRI

ज्येष्ठ

07-06-2011	TUE
08-06-2011	WED
09-06-2011	THUR
10-06-2011	FRI
11-06-2011	SAT
12-06-2011	SUN
14-06-2011	TUE
17-06-2011	FRI
18-06-2011	SAT
19-06-2011	SUN
23-06-2011	THUR
24-06-2011	FRI
25-06-2011	SAT
28-06-2011	TUE
29-06-2011	WED

आषाढ

05-07-2011	TUE
06-07-2011	WED
07-07-2011	THUR
08-07-2011	FRI
09-07-2011	SAT
10-07-2011	SUN
11-07-2011	MON
12-07-2011	TUE
13-07-2011	WED
14-07-2011	THUR
15-07-2011	FRI
16-07-2011	SAT
17-07-2011	SUN

अश्विन

03-10-2011	MON
05-10-2011	WED
06-10-2011	THUR
07-10-2011	FRI
11-10-2011	TUE
12-10-2011	WED
16-10-2011	SUN
17-10-2011	MON
22-10-2011	SAT
24-10-2011	MON
25-10-2011	FRI

कार्तिक

29-10-2011	SAT
30-10-2011	SUN
01-11-2011	TUE
02-11-2011	WED
03-11-2011	THUR
04-11-2011	FRI
06-11-2011	SUN
07-11-2011	MON
08-11-2011	TUE
09-11-2011	WED
12-11-2011	SAT
13-11-2011	SUN
14-11-2011	MON
18-11-2011	FRI
19-11-2011	SAT
22-11-2011	TUE
23-11-2011	WED

मार्गशीर्ष

27-11-2011	SUN
28-11-2011	MON
29-11-2011	WED
30-11-2011	TUE
01-12-2011	THUR
03-12-2011	SAT
04-12-2011	SUN
05-12-2011	MON
06-12-2011	TUE
07-12-2011	WED
15-12-2011	THU
16-12-2011	FRI

पौष

15-01-2012	SUN
16-01-2012	MON
17-01-2012	TUE
18-01-2012	WED
19-01-2012	THU
20-01-2012	FRI
21-01-2012	SAT

माघ

25-01-2012	WED
27-01-2012	FRI
28-01-2012	SAT
29-01-2012	SUN
30-01-2012	MON
02-02-2012	THUR
03-02-2012	FRI
04-02-2012	SAT
08-02-2012	WED
09-02-2012	THUR
10-02-2012	FRI
11-02-2012	SAT
12-02-2012	SUN
13-02-2012	MON
14-02-2012	TUE
15-02-2012	WED
17-02-2012	FRI
18-02-2012	SAT
19-02-2012	SUN
23-02-2012	THU

फाल्गुन

24-02-2012	FRI
25-02-2012	SAT
26-02-2012	SUN
27-02-2012.	MON
09-03-2012	FRI
10-03-2012	SAT
11-03-2012	SUN
13-03-2012	TUE

CALENDAR

APRIL-2011

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

MAY-2011

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

JUNE-2011

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

JULY-2011

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

AUGUST-2011

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

SEPT-2011

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

OCT–2011

S	M	T	W	T	F	S
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

NOV-2011

S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

DEC-2011

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

JAN-2012

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

FEB-2012

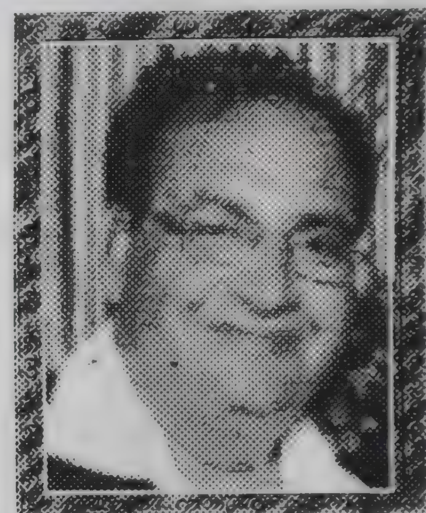
S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29			

MAR - 2012

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

In Sweet Mamory of :

आपकी याद हमारे दिलों में कायम है, परम कृपालू
परमात्मा आपकी पवित्र आत्मा को शांति दें
एसी हम प्रार्थना करते हैं



Late Shri Keshav B. Karira
Exp. Date : 7-6-2008

KESHAV TILL FACTORY

215, G.I.D.C. Estate, Naroda, Ahmedabad.
Ph. : (O) 22820143 - 22814545 M. : 9825038197

SHREE SAI FOOD PRODUCTS

Bapuji Gulab Revdi

Tulsi Colony, Nr. Amool Bakery, 'G' Ward,
Kuber Nagar, Ahmedabad-382340.

(९) चैत्र 06-04-2011 to 04-05-2011 2068 چيٽ (١)

सूर्योदय : (06:30 - 06:02) सूर्यास्त : (18:52 - 19:07)

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमा	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि ڏڻ	Sindhi Dt.
३	06	Wed	मरणी	वृषभ	मतस्य जयंती	١
४	07	Thur.	कृतिका	वृषभ	दमनक चतुर्थी W. Health Day	٢
५	08	Fri	रोहिणी	वृषभ	पंचमी	٣
६	09	Sat	मृग	मिथुन	शष्टमी	۴
७	10	Sun	आद्रा	मिथुन	सप्तमी, Sindhi Bha.Tas. Day	۵
८	11	Mon	पुन	कर्क	दुर्गा अष्टमी (नवरात्री पूरा)	٦
९	12	Tue	पुष्य	कर्क	रामनवमी	٧
१०	13	Wed	अश्लेषा	सिंह	वैशाखी, Sant Kanwarram B. D.	٨
११	14	Thur.	मघा	सिंह	ग्यारस,Ambedkar Jayanti گيارس	٩
१२	15	Fri	पू. फा.	कन्या	प्रदोष व्रत	١٠
१३	16	Sat	उ. फा.	कन्या	Mahavir Jayanti	١١
१४	17	Sun	हस्त	तुला	चोडस	١٢
१५/१	18	Mon	चित्रा	तुला	पूनम, W. Haritage Day پونم	١٣
२	19	Tue	स्वाति	वृश्चिक	बीज तिथि	١۴
३	20	Wed	विशाखा	वृश्चिक	अमृत सिद्धि योग	١۵
४	21	Thur.	अनूराधा	धन	गणेश चोथ گڻيش چوٿ	١٦
५	22	Fri	मूला	धन	Good Friday, Earth Day	١٧
६	23	Sat	पू. षा.	धन	शष्मी, W. Book Day	١٨
७	24	Sun	उ. षा	मकर	सप्तमी	١٩
८	25	Mon	उ. षा	मकर	शीतल पूजा	٢٠
९	26	Tue	श्रवण	कुंभ	पंकच शरू (22.30 से)	٢١
१०	27	Wed	धनि	कुंभ	दसम, Baba Jairamdas B. Day	٢٢
११	28	Thur.	शत	कुंभ	वरण ग्यारस گيارس	٢٣
१२	29	Fri	पू. भा.	मीन	बारस	٢۴
१३	30	Sat	उ. भा.	मीन	प्रदोष व्रत, W. Red Croos Day	٢۵
१३	01	Sun	रेवती	मेष	पंकच पूरा (23.30 तक), Guj. Day	٢٦
१४	02	Mon	अश्व	मेष	पित्रकी उमास, Astronomy Day	٢٧
३०	03	Tue	मरणी	मेष	देवकार्य उमास, Press Freedom	٢٨
१	04	Wed	कृतिका	वृषभ	चन्द्र दर्शन چنڊ	٢٩

(२) वैशाख 05-05-2011 to 03-06-2011 2068 (۲) ويساکھ

सूर्योदय : (06:02 - 05:49) सूर्यास्त : (19:07 - 19:22)

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमां	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि ڏڻ	Sindhi Dt.
२	05	Thur.	कृति	वृषभ	परशुराम जयंती	۱
३	06	Fri	रोहिणी	मिथुन	आखातीज W. Health Day آکٹتیج	۲
४	07	Sat	मृग	मिथुन	टैगोर जयन्ती	۳
५	08	Sun	आद्रा	कर्क	सूर्दास जयन्ती	۴
६	09	Mon	पुन	कर्क	सर्व अर्थ सिद्धि योग, Mother Day,	۵
७	10	Tue	पुष्य	कर्क	सप्तती	۶
८	11	Wed	अश्ले	सिंह	जापकी नौमी, N. Teacher Day	۷
९	12	Thur.	मघा	सिंह	नौमी , W. Nurse Day	۸
१०/११	13	Fri	पू. फा.	कन्या	ग्यारस, N. Unity Day گیارس	۹
१२	14	Sat	हस्त	कन्या	बारस	۱۰
१३	15	Sun	चित्रा	तुला	प्रदोष व्रत, I. Family Day	۱۱
१४	16	Mon	स्वाति	तुला	नरसिंह जयन्ती	۱۲
१५	17	Tue	विशाखा	वृश्चिक	पूनम پونم	۱۳
१	18	Wed	अनूराधा	वृश्चिक	एकम	۱۴
२	19	Thur.	ज्येष्ठा	धन	नारद जयन्ती	۱۵
३	20	Fri	मूला	धन	गणेश चोथ گٹیش چوت	۱۶
४	21	Sat	पू. षा.	मकर	चोथ	۱۷
५	22	Sun	उ. षा	मकर	सर्व अर्थ सिद्धि योग	۱۸
६	23	Mon	श्रवण	मकर	शष्मी	۱۹
७	24	Tue	धनि	कुंभ	पंकच शरू(06.06 से),Com.W. Day	۲۰
८	25	Wed	शत	कुंभ	अष्टमी	۲۱
९	26	Thur.	पू. भा.	मीन	नोमी	۲۲
१०	27	Fri	उ. भा.	मीन	अमृत सिद्धि योग	۲۳
११	28	Sat	रेवती	मीन	ग्यारस گیارس	۲۴
१२	29	Sun	रेवती	मेष	पंकच पूरा (06.33 तक)	۲۵
१३	30	Mon	अश्व	मेष	चोसद, Tobaco Day	۲۶
१४	31	Tue	भरणी	वृषभ	देवपित्र उमास, सूर्य ग्रहण	۲۷
३०	01	Wed	कृति	वृषभ	चन्द्र दर्शन	۲۸
१	02	Thur.	रो	मिथुन	अेकम	۲۹
२	03	Fri	मृग	मिथुन	चन्द्र दर्शन چنڊ	۳۰

(३) ज्येष्ठ 04-06-2011 to 02-07-2011 2068 جيٺ (٣)

सूर्योदय : (05:49 - 05:53) सूर्यास्त : (19:22 - 19:30)

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमा	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि ڏڻ	Sindhi Dt.
३	04	Sat	आर्द्रा	मिथुन	राणा प्रताप व्रत	١
४	05	Sun	पुन	कर्क	सिधि योग, W. Env. Day	٢
५	06	Mon	पुष्य	कर्क	पंचक	٣
६	07	Tue	अश	सिंह	शष्टमी	٤
७	08	Wed	मघा	सिंह	सप्तमी	٥
८	09	Thur.	पू. फा.	कन्या	अष्टमी	٦
९	10	Fri	उ. फा.	कन्या	नवमी	٧
१०	11	Sat	हस्त	तुला	गंगा दर्शन	٨
११	12	Sun	चित्रा	तुला	ग्यारस گيارس	٩
१२	13	Mon	विशाखा	वृश्चिक	प्रदोष व्रत, Father's Day	١٠
१३/१४	14	Tue	अनूराधा	वृश्चिक	तेरस, W. Blood Day	١١
१५	15	Wed	ज्येष्ठा	धन	पूनम, चन्द्र ग्रहण, Santkabir B.Day پورنم	١٢
१	16	Thur.	मूला	धन	अेकम	١٣
२	17	Fri	पू. षा.	धन	बीज	١٤
३	18	Sat	उ. षा	मकर	तीज	١٥
४	19	Sun	श्रवण	मकर	गणेश चोथ گڻيش چوٿ	١٦
५	20	Mon	धनि	कुंभ	पंकच शरू (14.28 से)	١٧
६	21	Tue	धनि	कुंभ	वर्षाऋतु प्रारंभ, Longest Day	١٨
७	22	Wed	शत	मीन	सप्तमी	١٩
८	23	Thur.	पू. मा.	मीन	अष्टमी	٢٠
८	24	Fri	उ. मा.	मीन	अमृत सिद्धि योग	٢١
९	25	Sat	रेवती	मेष	पंचक पूरा (14.22 तक)	٢٢
१०	26	Sun	अश्वि	मेष	सिद्धि योग	٢٣
११	27	Mon	भरणी	मेष	ग्यारस, W. Diabatic Day گيارس	٢٤
१२	28	Tue	कृतिका	वृषभ	प्रदोष व्रत	٢٥
१३	29	Wed	रोहिणी	वृषभ	तेरस	٢٦
१४	30	Thur.	मृग	मिथुन	चौदस	٢٧
३०	01	Fri	आर्द्रा	मिथुन	देव पित्र उमास, सूर्य ग्रहण اُماس	٢٨
१	02	Sat	पुन	कर्क	चन्द्र दर्शन چنڊ	٢٩

(४) आषाढ 03-07-2011 to 01-08-2011 2068 آکاڑ (

सूर्योदय : (05:54 - 06:07) सूर्यास्त : (19:22 - 19:30

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमां	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि ڈن
२	03	Sun	पुष	कर्क	रथ यात्रा رَت یاترا
३	04	Mon	अश्वि	सिंह	तीज
४/५	05	Tue	मघा	सिंह	चोथ
६	06	Wed	पू. फा.	कन्या	शष्मी, W. Zoonoses Day
७	07	Thur.	उ.फा.	कन्या	सप्तमी
८	08	Fri	हस्त	तुला	अष्टमी
९	09	Sat	चित्र	तुला	नौमी
१०	10	Sun	स्वाति	वृश्चिक	दशमी
११	11	Mon	विशाखा	वृश्चिक	ग्यारस, गौरी व्रत शुरू, گیارس
१२	12	Tue	अनूराधा	वृश्चिक	प्रदोष व्रत
१३	13	Wed	ज्येष्ठा	धन	पार्तती व्रत शुरू
१४	14	Thur.	मूला	धन	चौदस
१५	15	Fri	पू. षा.	मकर	गुरू पूनम- जागरण گرو پونم
१	16	Sat	उ. षा	मकर	अेकम
२	17	Sun	श्रवण	कुंभ	पंचक शरू (23.11 से)
३	18	Mon	घनि	कुंभ	गणेश चोथ گنیش چوت
४	19	Tue	शत	कुंभ	मंगल गौरी व्रत
५	20	Wed	पू. भा.	मीन	नागपंचमी, Parasi New Year
६	21	Thur.	उ. भा.	मीन	सिद्धि योग
७	22	Fri	रेवती	मेष	पंकच पूरा (22.23 तक) Parents D.
८	23	Sat	अश्विन	मेष	तिलक जनम
९	24	Sun	भरणी	मेष	नौमी
१०	25	Mon	कार्तिका	वृषभ	सिद्धि योग
११	26	Tue	रोहिणी	वृषभ	ग्यारस, चालीहो शरू گیارس
१२	27	Wed	रोहिणी	मिथुन	सिद्धि योग
१३	28	Thur.	मृग	मिथुन	तेरस
१४	29	Fri	आद्रां	कर्क	चौदस
३०	30	Sat	पुन	कर्क	देवचित्र उमास اُماس
१	31	Sun	अश्विन	सिंह	अेकम
२	01	Mon	मघा	सिंह	चन्द्र दर्शन, W. Nutrition Day چنڈر

(५) श्रावण 02-08-2011 to 30-08-2011 2068 ساوڻ (۵)

सूर्योदय : (06:07 - 06:20) सूर्यास्त : (19:30 - 18:57)

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमा	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि ڏڻ	Sindhi Dt.
३	02	Tue	पू. फा.	कन्या	तीज	۱
४	03	Wed	उ. फा.	कन्या	चतुर्थी, I Friendship Day	۲
५	04	Thur.	हस्त	कन्या	गोगरो گوگڙو	۳
६/७	05	Fri	चित्रा	तुला	नंढ़ी थधड़ी	۴
८	06	Sat	स्वाति	तुला	सिद्धि योग, Hiroshima Day	۵
९	07	Sun	विशाखा	वृश्चिक	नोमी	٦
१०	08	Mon	अनूराधा	वृश्चिक	सिद्धि योग	۷
११	09	Tue	ज्येष्ठा	धन	ग्यारस, Quit India Day گيارس	۸
१२	10	Wed	मूला	धन	बारस	۹
१३	11	Thur.	पू. षा.	मकर	प्रदोष व्रत	۱۰
१४	12	Fri	उ. षा	मकर	प्रदोष व्रत, Vikram Sarabhai B.Day	۱۱
१५	13	Sat	श्रवण	मकर	पूनम, रक्षाबंधन رکشا پونم	۱۲
१	14	Sun	धनि	कुं भ	पंचक शरू (06.51 से) بندن	۱۳
२	15	Mon	शति	कुं भ	Independence Day	۱۴
३	16	Tue	पू. भा.	मीन	टीजड़ी (च.उ. 20.30)	۱۵
४	17	Wed	उ. भा.	मीन	गणेश चोथ (च.उ. 21.02) تيجڙي	۱٦
४	18	Thur.	रेवती	मेष	चोथ گڻيش چوٿ	۱۷
५	19	Fri	अश्विनी	मेष	पंकच पूरा (05.58 तक)	۱۸
६	20	Sat	अश्विनी	मेष	शष्टमी	۱۹
७	21	Sun	मरणी	वृषम	वडी थधड़ी	۲۰
८	22	Mon	कृतिका	वृषम	जन्माष्टमी وڏي ٿڌڙي	۲۱
९	23	Tue	रोहिणी	मिथुन	नोमी جنما اشٽمي	۲۲
१०	24	Wed	मृग	मिथुन	दशमी	۲۳
११	25	Thur.	आर्द्रा	मिथुक	ग्यारस, Eye Donation Day	۲۴
१२	26	Fri	पुन	कर्क	अन मटियो گيارس	۲۵
१३	27	Sat	पुष्य	कर्क	तेरस اَن مٽيو	۲٦
१४	28	Sun	अश्लेषा	सिंह	पित्रकी उमास	۲۷
३०/१	29	Mon	मधा	सिंह	देव कार्य उमास, N.Sports D. اُماس	۲۸
१	30	Tue	पू. फा.	कन्या	चन्द्र दर्शन چنڊ	۲۹

(६) भाद्रबद 31-08-2011 to 28-09-2011 2068 بدو)

सूर्योदय : (06:20 - 06:33) सूर्योदय : (06:20 - 06:33

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमां	पर्व-डिण-व्रत-आदि	ڏڻ
३	31	Wed	हस्त	कन्या	श्री नारद जयन्ती, Ramjan Idd	
४	01	Thur.	चित्रा	तुला	गणेश जयन्ती, Sanvatsari	
५	02	Fri	स्वाति	तुला	रिशी पंचमी	
६	03	Sat	विशाखा	वृश्चिक	शष्टमी	
७	04	Sun	अनूराधा	वृश्चिक	महालक्ष्मी व्रत आरंभ,चालीहो सरग	
८	05	Mon	ज्येष्ठा	धन	राधा अष्टमी,सगड़ा ब्रघणु, Teachers D	
९	06	Tue	मूला	धन	नोमी, महालक्ष्मी व्रत पूरण	
१०	07	Wed	पू. षा.	मकर	दसमी	
११	08	Thur.	उ. षा	मकर	ग्यारस, बन बघड़ी	گيارس
१२	09	Fri	श्रवण	मकर	प्रदोष व्रत, W. Literary Day	
१३	10	Sat	धनि	कुंभ	पंकच शरू (13.13 से)	
१४	11	Sun	शत	कुंभ	चौदस	
१५	12	Mon	पू. भा.	मिथुन	पूनम, आहमानी	آه شراڌ، پونم
१	13	Tue	पू. भा.	मिथुन	एकम श्राद्ध,	ايڪم شراڌ
२	14	Wed	उ. भा.	मीन	बीज श्राद्ध, Hindi Day	ٻيج شراڌ
३	15	Thur.	रेवती	मीन	तीज श्राद्ध, पंकच पूरा	ٽيج شراڌ
४	16	Fri	अश्विनी	मेष	चोथ श्राद्ध, गणेश चोथ	چوٿ شراڌ
५	17	Sat	मरणी	मेष	पंचमी श्राद्ध	پنچم شراڌ
६	18	Sun	कृतिका	वृषभ	छठ श्राद्ध	ڇٺ شراڌ
७	19	Mon	रोहिणी	वृषभ	सप्तमी श्राद्ध	سپتمي شراڌ
७	20	Tue	मृग	मिथुन	अष्टमी श्राद्ध	اشٽمي شراڌ
८	21	Wed	आर्द्रा	मिथुन	नोमी, 'Shanti Day	نومي شراڌ
९	22	Thur.	पुन	कर्क	गुर प्रभ, Rose-Equal D.	گرپرڀ
१०/११	23	Fri	पुष्य	कर्क	ग्यारस श्राद्ध	گيارس شراڌ
१२	24	Sat	अश्लेषा	सिंह	बारस श्राद्ध	ٻارس شراڌ
१३	25	Sun	मघा	सिंह	तेरस श्राद्ध	تيرس شراڌ
१४	26	Mon	पू. फा.	कन्या	चोदस श्राद्ध,	چوڏس شراڌ
३०	27	Tue	उ. भा.	कन्या	देवपि उमास,	اُماس،نوراترا شروع
१	28	Wed	हस्त	तुला	चन्द्र दर्शन, W. Heart Day	چنڊ

(७) अश्विन 29-09-2011 to 28-10-2011 2068 اسو (٧)

सूर्योदय : (06:33 - 06:48) सूर्यास्त : (18:23 - 17:58)

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमा	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि ڏڻ	Sindhi Dt.
२/३	29	Thur.	चित्र	तुला	तीज	١
४	30	Fri	स्वाति	वृश्चिक	चोथ	٢
५	01	Sat	अनूराधा	वृश्चिक	पंचमी, Day of Elderely	٣
६	02	Sun	ज्येष्ठा	धन	Gandhi / Shastri Jayanti	٤
७	03	Mon	मूला	धन	सप्तमी	٥
८	04	Tue	पू. षा.	धन	अष्टमी, नौरात्री पुरा, W. Animal	٦
९	05	Wed	उ. षा	मकर	नौमी, W. Habitet Day	٧
१०	06	Thur.	श्रवण	मकर	दशहरो	٨
११	07	Fri	धनि	कुंभ	ग्यारस, पंचक शरू, گيارس	٩
१२	08	Sat	धनि	कुंभ	बारस, India Air Force Day	١٠
१३	09	Sun	शत	मीन	प्रदोष व्रत, W. Post Office Day	١١
१४	10	Mon	पू. भा.	मीन	चोदस	١٢
१५	11	Tue	उ. भा.	मीन	शरद पूनम- जागरण شرد پونم	١٣
१५	12	Wed	रेवती	मेष	पंचक पूरा (18.58 तक)	١٤
१	13	Thur.	अश्विनी	मेष	सिद्धि योग	١٥
२	14	Fri	भरणी	मेष	गुरू रामदास जन्म W. Standard Day	١٦
३	15	Sat	कृति	वृश्चिक	गणेशचोथ,कड़वा चोथ گڻيش چوٿ	١٧
४	16	Sun	रोहिणी	वृश्चिक	चोथ, W. Food Day	١٨
५	17	Mon	मृगशरा	मिथुन	पंचम	١٩
६	-18	Tue	मृगशरा	मिथुन	शष्टमी	٢٠
७	19	Wed	आर्द्रा	कर्क	सप्तमी	٢١
८	20	Thur.	पुन	कर्क	आहोई व्रत آهوئي	٢٢
९	21	Fri	पुष्य	कर्क	नोमी	٢٣
१०	22	Sat	अश्लि	सिंह	सदमी	٢٤
११	23	Sun	मघा	सिंह	ग्यारस گيارس	٢٥
१२	24	Mon	उ. फा.	कन्या	धनतेरस, U T Day ڌن تيرس	٢٦
१३/१४	25	Tue	हस्त	कन्या	दूप चित्रादशी, काड़ी चौदस	٢٧
३०	26	Wed	चित्रा	तुला	दीपावली, ڏياري- اُماس	٢٨
१	27	Thur.	स्वाति	तुला	ब्रह्, गुजराती नवो साल	٢٩
२	28	Fri	विशाखा	वृश्चिक	चन्द्र दर्शन, भाई बीज چنڊ	٣٠

(८) कार्तिक 29-10-2011 to 26-11-2011 2068 ڪتي (

सूर्योदय : (06:48 - 07:08) सूर्यास्त : (17:42 - 17:55)

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमां	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि ڏڻ
३	29	**Sat**	अनूराधा	वृश्चिक	तीज
४	30	**Sun**	ज्येष्ठा	धन	चोथ, W. Thrift Day
५	31	**Mon**	मूला	धन	लाभ पांचम, Sardar Patel Jayanti
६	01	**Tue**	पू. षा.	मकर	शष्टमी, Santkanwar Ramsahid D
७	02	**Wed**	उ. षा	मकर	सप्तमी
८	03	**Thur.**	श्रवण	कुंभ	गोप अष्टमी
९	04	**Fri**	धनि	कुंभ	पंचक शरू (01.29 से) नोमी व्रत शुरू
१०	05	**Sat**	शति	कुंभ	दसमी
११	06	**Sun**	पू. भा.	मीन	ग्यारस, तुलसी विवाह, گيارس
१२	07	**Mon**	पू. भा.	मीन	प्रदोष व्रत, Bakra Idd
१३	08	**Tue**	रेवती	मेष	पंकच पूरा (01.09 तक)
१४	09	**Wed**	अश्विनी	मेष	चौदस
१५	10	**Thur.**	भरणी	मेष	गुरूनानक जयन्ती گرونانڪ جينتي
१	11	**Fri**	भरणी	वृषभ	एकम
२	12	**Sat**	कृतिका	वृषभ	सिद्धि योग
३	13	**Sun**	रोहिणी	मिथुन	तीज
३	14	**Mon**	मृग	मिथुन	गणेश चोथ گڻيش چوٿ
४	15	**Tue**	आद्रां	मिथुन	चोथ
५	16	**Wed**	पुन	कर्क	पंचक
६	17	**Thur.**	पुष्य	कर्क	अमृत योग
७	18	**Fri**	अश्लेषा	सिंह	अष्टमी, NCC Day
८/९	19	**Sat**	मघा	सिंह	Indira Gandhi Birthday
१०	20	**Sun**	पू. फा.	कन्या	सिद्धि योग گيارس
११	21	**Mon**	उ. भा.	कन्या	ग्यारस, W. Television Day
१२	22	**Tue**	हस्त	तुला	बारस
१३	23	**Wed**	चित्रा	तुला	प्रदोष व्रत, Army Day اُماس
१४	24	**Thur.**	विशाखा	वृश्चिक	पित्रकार्य उमास اُماس
३०	25	**Fri**	अनूराधा	वृश्चिक	देवकार्य उमास, सूर्य ग्रहण, چنڊ
१/२	26	**Sat**	ज्येष्ठा	धन	चन्द्र दर्शन

(९) मार्गशीर्ष 27-11-2011 to 26-12-2011 2068 ناهري (٩)

सूर्योदय : (06:33 - 06:48) सूर्यास्त : (18:23 - 17:58)

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमा	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि ڏڻ	Sindhi Dt.
३	27	Sun	मूला	धन	सिद्धि योग	١
४	28	Mon	पू. षा.	मकर	चोथ	٢
५	29	Tue	उ. षा	मकर	पंचम '	٣
६	30	Wed	श्रवण	मकर	शष्टमी	٤
७	01	Thur.	धनि	कुंभ	पंकच शरू (08.15 से), W. Aid Day	٥
८	02	Fri	शति	कुंभ	अष्टमी, N. Population Day	٦
९	03	Sat	पू. भा.	मीन	नोमी, I Handicapped Day	٧
१०	04	Sun	उ. भा.	मीन	सिद्धि योग, Navy Day	٨
१०	05	Mon	रेवती	मीन	पंचक	٩
११	06	Tue	रेवती	मेष	ग्यारस, पंचक पूरा گيارس	١٠
१२	07	Wed	अश्वनी	मेष	प्रदोष व्रत, Army Flag Day	١١
१३	08	Thur.	भरणी	वृषभ	तेरस	١٢
१४	09	Fri	कृर्तिका	वृषभ	चोदस	١٣
१५	10	Sat	रोहिणी	वृषभ	पूनम, ग्रहण, پونم، چنڊ گرهڻ	١٤
१	11	Sun	मृग	मिथुन	अेकम	١٥
२	12	Mon	आद्रा.	मिथुन	बीज	١٦
३	13	Tue	पुन	कर्क	तीज	١٧
४	14	Wed	पुष्य	कर्क	गणेश चोथ گڻيش چوٿ	١٨
५	15	Thur.	अश्लेषा	सिंह	पंचक	١٩
६	16	Fri	मधा	सिंह	शष्टमी	٢٠
७	17	Sat	पू. फा.	कन्या	अष्टम	٢١
८	18	Sun	उ. फा.	कन्या	सिद्धि योग	٢٢
९	19	Mon	हंस्त	तुला	नोमी	٢٣
१०	20	Tue	चित्र	तुला	दसमी	٢٤
११	21	Wed	स्वाति	तुला	ग्यारस گيارس	٢٥
१२/१३	22	Thur.	विशाखा	वृश्चिक	प्रदोष व्रत, Smallest Day	٢٦
१४	23	Fri	अनूराधा	वृश्चिक	चोदस; World Kissan Day	٢٧
३०	24	Sat	ज्येष्ठा	धन	देवपितृ उमास اُماس	٢٨
१	25	Sun	मुला	धन	Christmas Day	٢٩
२	26	Mon	उ. षा.	मकर	चन्द्र दर्शन, Boxing Day چنڊ	٣٠

(१०) पोष 27-12-2011 to 24-01-2012 2068 پوه (١٠)

सूर्योदय : (07:28 - 07:29) सूर्यास्त : (17:50 - 18:10)

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमां	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि	ڏڻ	Sin D
३	27	Tue	श्रवण	मकर	सफर महिनो शुरू		١
४	28	Wed	धनि	कुंभ	पंचक शरू (18.06 से)		٢
५	29	Thur.	शत	कुंभ	पंचमी		٣
६	30	Fri	शत	मीन	शष्टमी		۴
७	31	Sat	पू. भा.	मीन	सप्तमी		۵
८	01	Sun	पू. भा.	मीन	अष्टमी, 2012 Start		٦
९	02	Mon	रेवती	मेष	पंचक पूरा (15.38 तक)		٧
१०	03	Tue	अश्विनी	मेष	दसम		٨
११	04	Wed	भरणी	वृश्चिक	ग्यारस	گيارس	٩
११	05	Thur.	कृतिका	वृश्चिक	-		١٠
१२	06	Fri	रोहिणी	वृश्चिक	प्रदोष		١١
१३	07	Sat	मृग	मिथुन	तेरस		١٢
१४	08	Sun	आर्द्रा	मिथुन	चोदस		١٣
१५	09	Mon	पुन	कर्क	पूनम	پونم	١۴
१	10	Tue	पुष्य	कर्क	एकम		١۵
२	11	Wed	अश्लेषा	सिंह	बीज		١٦
३	12	Thur.	मघा	सिंह	गणेश चोथ Yuva Day	گڻيش چوٿ	١٧
४/५	13	Fri	पू. फा.	सिंह	लाल लोही	لال لوئي	١٨
६	14	Sat	उ. भा.	कन्या	मक्र संक्राती	اُترانڻ	١٩
७	15	Sun	हस्त	कन्या	विवेकानंद जन्म, Army Day		٢٠
८	16	Mon	चित्रा	तुला	अष्टमी		٢١
९	17	Tue	स्वाति	तुला	नोमी		٢٢
१०	18	Wed	विशाखा	वृषभ	सफर पोइ अरबा		٢٣
११	19	Thur.	अनूराधा	वृषभ	ग्यारस	گيارس	٢۴
१२	20	Fri	ज्येष्ठा	धन	प्रदोष व्रत		٢۵
१३	21	Sat	मूला	धन	तेरस, Hemokalani Day		٢٦
१४	22	Sun	पू. षा.	मकर	पित्रकार्य उमास		٢٧
३०	23	Mon	उ. षा	मकर	देवकार्य उमास	اُماس	٢٨
१	24	Tue	श्रवण	कुंभ	चन्द्र दर्शन	چنڊ	٢٩

(११) माघ 25-01-2012 to 23-02-2012 2068 مانگهہ (١١)

सूर्योदय : (07:12 - 07:29) सूर्यास्त : (18:11 - 18:31)

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमा	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि	ڏڻ	Sindhi Dt.
२	25	Sun	धनि	कुंभ	बीज, पंचक शरू (03.39 से)		١
३	26	Mon	शति	कुंभ	तीज, Repubilc Day		٢
४	27	Tue	पू. भा.	मीन	चोथ		٣
५	28	Wed	उ. भा.	मीन	बसंत पंचमी		۴
६	29	Thur.	रेवती	मेष	पंचक पूरा (23.52 तक)		٥
७	30	Fri	अश्विनी	मेष	नर्मदा जयन्ती, Gandhi/Shasrti Day		٦
८	31	Sat	भरणी	मेष	अष्टमी		٧
९	01	Sun	कृतिका	वृश्चिक	नोमी		٨
१०	02	Mon	कृतिका	वृश्चिक	दशमी		٩
११	03	Tue	रोहिणी	मिथुन	ग्यारस	گيارس	١٠
१२	04	Wed	मृग	मिथुन	द्वादशी		١١
१३	05	Thur.	आर्द्रा	मिथुन	प्रदोष व्रत		١٢
१४	06	Fri	पुन	कर्क	चोदस		١٣
१५	07	Sat	पुष्य	कर्क	पूनम, W. Marriage Day	پونم	١۴
१	08	Sun	अश्लेषा	सिंह	एकम		١٥
२	09	Mon	मघा	सिंह	बीज		١٦
३	10	Tue	पू. फा.	कन्या	गणेश चोथ (च.उ.21.08)	گڻيش چوٿ	١٧
४	11	Wed	उ. भा.	कन्या	चोथ		١٨
५	12	Thur.	चित्रा	तुला	पंचम		١٩
६	13	Fri	स्वाति	तुला	शष्टमी		٢٠
७	14	Sat	विशाखा	वृषभ	सप्तमी, Valentine Day		٢١
८	15	Sun	अनूराधा	वृषभ	अष्टमी		٢٢
९/१०	16	Mon	ज्येष्ठा	धन	नोमी		٢٣
११	17	Tue	मूला	धन	ग्यारस	گيارس	٢۴
१२	18	Wed	पू. षा.	मकर	बारस		٢٥
१३	19	Thur.	उ. षा	मकर	प्रदोष व्रत, वसंत ऋतु प्रा.		٢٦
१४	20	Fri	श्रवण	मकर	महाशिव रात्री	مهاشِوراتري	٢٧
३०	21	Sat	धनि	कुंभ	देवपित्रकी उमास, पंचक शरू	اُماس	٢٨
१	22	Sun	शत	कुंभ	अेकम		٢٩
२	23	Mon	पू. भा.	मीन	चन्द्र दर्शन	چنڊ	٣٠

(१२) फाल्गुण 24-03-2012 to 24-03-2012 2068 ڦڳڻ (١

सूर्योदय : (07:10 - 06:44) सूर्यास्त : (18:32 - 18:4

तिथि	Egn Dt.	Day	नक्षत्र	चन्द्रमां	पर्व-ड्रिण-व्रत-आदि	ڏڻ
३	24	Fri	उ. भा.	मीन	तीज	
३	25	Sat	रेवती	मीन	तीज	
४	26	Sun	रेवती	मेष	चोथ, पंचक पूरा (07.56 तक)	
५	27	Mon	अश्वनी	मेष	पंचमी	
६	28	Tue	भरणी	वृश्चिक	फागुणी सते पचे, N. Sc. Day	
७	29	Wed	कृर्तिका	वृश्चिक	फागुणी सते खाजे	
८	01	Thur.	रोहिणी	वृश्चिक	होलास्टक शरू	
९	02	Fri	मृग	मिथुन	नोमी	
१०	03	Sat	आर्द्रा	मिथुन	दसम	
११	04	Sun	पुन	कर्क	ग्यारस, N. Defence Day	گيارس
१२	05	Mon	पुष्य	कर्क	सिद्धि योग	
१३	06	Tue	अश्लेषा	सिंह	प्रदोष व्रत	
१४	07	Wed	मघा	सिंह	होली	هولي
१५	08	Thur.	पू. फा.	कन्या	पूनम, धूलेटी	پونم، ڏوڙيو
१	09	Fri	उ. फा.	कन्या	अेकम	
२/३	10	Sat	हस्त	तुला	बीज	
४	11	Sun	चित्रा	तुला	गणेश चोथ	گڻيش چوٿ
५	12	Mon	स्वाति	वृश्चिक	रंग पंचमी, W. Kidney Day	
६	13	Tue	विशाखा	वृश्चिक	शष्टमी	
७	14	Wed	ज्येष्ठा	धन	सप्तमी	
८	15	Thur.	मुला	धन	अष्टम, W. Customs Day	
९	16	Fri	पू. षा.	धन	नोमी	
१०	17	Sat	उ. षा.	मकर	सिद्धि योग, W. Handicapped Day	
११	18	Sun	श्रवण	मकर	ग्यारस	گيارس
१२	19	Mon	धनि	कुंभ	प्रदोष व्रत, पंचक शरू (28.18 से)	
१३	20	Tue	धनि	कुंभ	तेरस	
१४	21	Wed	शति	मीन	चोदस	
३०	22	Thur.	पू. भा.	मीन	देवपित्रथीउमास, नोरात्रा शुरू	اُماس
१	23	Fri	उ. भा.	मीन	अेकम, W. Meterological Day	
२	24	Sat	रेवती	मेष	चेटी चंड, पंचक पूरा	چيٽي چنڊ